भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 3076
गुरुवार, 6 अगस्त, 2026/15 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

प्रयागराज से मुंबई के लिए उड़ानों की आवृत्ति में कमी

3076. श्री प्रवीण पटेलः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि विभिन्न विमानन कंपनियों ने हाल ही में प्रयागराज से मुंबई के लिए उड़ानों की आवृत्ति कम कर दी है, जिसमें अकासा एयर द्वारा सप्ताह के सातों दिन संचालित होने वाली उड़ान को जुलाई से घटाकर सप्ताह में केवल एक दिन कर दिया गया है और इंडिगो द्वारा सप्ताह में छह दिन संचालित होने वाली उड़ान को घटाकर केवल चार दिन कर दिया गया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार का यात्रियों को हो रही बढ़ती असुविधा को देखते हुए उड़ानों की आवृत्ति बढ़ाने के लिए विमानन कंपनियों को निर्देश देने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या क्षेत्रीय संपर्क योजना की अवधि समाप्त होने के कारण वर्तमान में व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) के अंतर्गत प्रयागराज से कोई विमान सेवा संचालन नहीं कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरसन के साथ, भारतीय घरेलू विमानन क्षेत्र को विनियमनमुक्त कर दिया गया था। एयरलाइनें मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुपालन के अधीन, यातायात माँग और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर विशिष्ट गंतव्यों के लिए हवाई सेवाएं प्रदान करती हैं। चूँकि हवाई यातायात माँग सीजनल प्रकृति की होती है, एयरलाइनें समय-समय पर अपने मार्ग नेटवर्क को अनुकूलित करती हैं और प्रासंगिक अवधि के दौरान प्रचलित परिचालन लागतों पर विचार करने के पश्चात मार्ग विस्तार की योजना बनाती हैं।

तदनुसार, मेसर्स इंडिगो और मेसर्स अकासा एयरलाइंस ने अक्टूबर 2026 से प्रयागराज से मुंबई के लिए उड़ानों को पुनः चालू करने की अपनी योजनाओं की जानकारी प्रदान की है।

वर्तमान में, 'उड़ान' योजना की व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) समर्थन अवधि के तहत प्रयागराज से कोई आरसीएस उड़ानें परिचालित नहीं हो रही हैं।

*****